मुक्त चिन्तन

News Letter

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन 02 अप्रैल, 2025

शाखा के नए परिसर का उदघाटनकरतेहुए उ0प्र0राजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के कुलपतिआचार्यसत्यकाम एवंअन्य अतिथिगण

बैंकऑफ़ बड़ौदाप्रयागराज क्षेत्र के उ0प्र0राजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय शाखा का नए परिसरमेंस्थानांतरण

दिनांक 02 अप्रैल, 2025 कोभारत के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकोंमें अग्रणी, बैंकऑफ़ बड़ौदा के प्रयागराज क्षेत्र के उ0प्र0राजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय शाखा का नए परिसरमेंस्थानांतरणहुआ। शाखा के नए परिसर का उद्घाटनउ0प्र0 राजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के कुलपतिआचार्यसत्यकाम, बैंकऑफ़ बड़ौदा, कॉर्पोरेटकार्यालय मुंबई से पधारेविपणन एवंब्रांडिंगप्रमुख श्री वी.जी. सेंथिलकुमार, लखनऊअंचल के अंचलप्रमुख श्रीसमीररंजनपंडा के कर–कमलों से हुआ। इस शाखा का वर्चुअलउद्घाटनपूर्वमेंउत्तरप्रदेश की माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेनपटेल ने कियाथा।

उद्घाटनकार्यक्रममेंविश्वविद्यालय कीवित्तअधिकारी श्रीमती पूनममिश्रा, कुलसचिवकर्नलविनय कुमार, आरएएफ़ के श्रीमनोजगौतमऔरबैंकऑफ़ बड़ौदा के क्षेत्रीय प्रमुख (प्रयागराज–प्प) श्रीचंद्रकांतचक्रवर्ती, क्षेत्रीय प्रमुख (प्रयागराज) श्री अरूण कुमारगुप्ता, आरबीडीएमश्रीअरविंदश्रीवास्तव, वरिष्ठप्रबन्धकश्रीअनुभव यादवतथाविश्वविद्यालय के अन्य स्टाफ एवं शाखा के स्टाफ एवंआमजनता की गरिमामयीउपस्थितिरही।

वीडियोसामग्रीविकसितकरनेपरमुविविमेंदोदिवसीय कार्यशाला

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराजमेंगुरुवारदिनांक 03अप्रैल, 2025 कोसेंटरफॉरऑनलाइन एजुकेशन के तत्वावधानमेंस्वयंप्रभा के लिए वीडियोसामग्रीविकसितकरनेपरदोदिवसीय कार्यशाला का शुभारंभकियागया।कार्यशाला के रिसोर्सपर्सन एवंमुख्य वक्ता, इंदिरागांधीराष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय, नईदिल्ली से आए डॉ0निराधर डे जीरहेतथाउद्घाटन सत्र की अध्यक्षताविश्वविद्यालय के माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी ने की।

स्वयंप्रभा के नोडलअधिकारीप्रोफेसर ए0 के0मलिक ने सभीअतिथियों का वाचिकस्वागतकियातथाआयोजितदोदिवसीय कार्यशाला के बारेमेंविस्तृत रूपरेखा प्रस्तुतकी।कार्यक्रम का संचालन डॉ0ज्ञानप्रकाश यादवतथाधन्यवादज्ञापन डॉ0दिनेशकुमारगुप्ता ने किया।

दीपप्रज्वलितकरकार्यशाला का शुभारम्भकरतेहुए माननीय अतिथिगण

कार्यक्रम का संचालनकरतेहुए डॉ0 ज्ञानप्रकाश यादव

सभीअतिथियों का वाचिकस्वागतएवंदोदिवसीय कार्यशाला के बारेमेंविस्तृत रूपरेखा प्रस्तुतकरतेहुए स्वयंप्रभा के नोडलअधिकारीप्रोफेसर ए0 के0 मलिक

माननीय अतिथियोंकोपुष्पगुच्छभेंटकरउनकास्वागतकरतेहुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

माननीय अतिथियोंकोअंगवस्त्र एवंपौधा भेंटकरउनकासम्मानकरतेहुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

स्वयंप्रभापरउच्चशिक्षा के क्षेत्र में 40चैनलउपलब्धहैं : डॉ निराधर डे

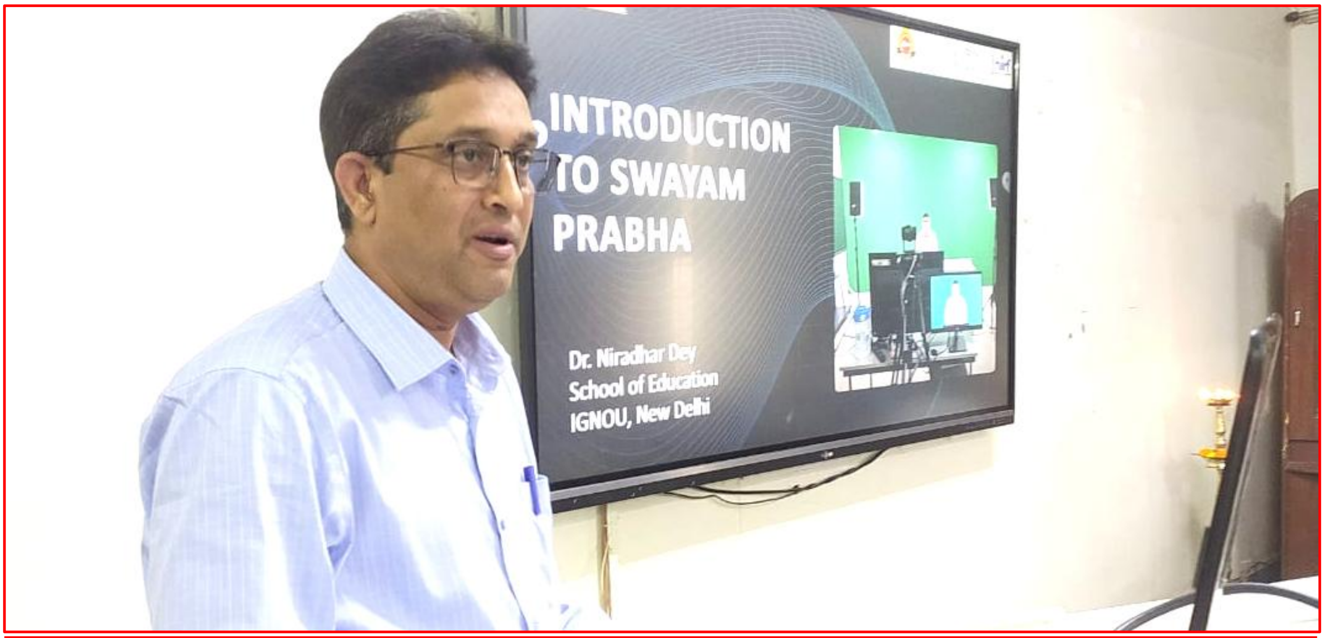

इंदिरागांधीराष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय, नईदिल्ली से आए रिसोर्सपर्सन एवंमुख्य वक्ता डॉ निराधर डे ने स्वयंप्रभा से संबंधितविभिन्नपहलुओंपरविस्तारपूर्वकचर्चाकी।उन्होंनेअपनेवक्तव्य मेंकहाकिस्वयंप्रभा की शुरुआतडिजिटलइंडियाप्रोग्राम के अंतर्गत 9 जुलाई 2017 कोशिक्षा मंत्रालय भारतसरकार द्वारा की गई।इसकामुख्य उद्देश्य सुदूरवर्ती क्षेत्रोंमेंरहनेवालेशिक्षार्थियोंतकसुगमऔरसहजतरीके से शिक्षा कोपहुंचानाहै।

उन्होंनेस्वयंप्रभापरविषयवस्तु से संबंधितवीडियो के निर्माणहेतुविभिन्नस्तरों के बारेमेंविस्तारपूर्वकबताया।उन्होंनेकहाकिस्वयंप्रभापरउच्चशिक्षा के क्षेत्र में 40 चैनलउपलब्धहैंऔरइन 40 चैनलों द्वारालगभग 120600 वीडियोलेक्चर्सविभिन्न शैक्षणिकविषयोंपरअपलोडकिए गए हैं।मुक्तविश्वविद्यालयों के लिए स्वयंप्रभापर शैक्षणिकवीडियोसामग्रीचौनलनंबर 14 परप्रसारितकियाजाताहै।

स्वयंप्रभाचैनल से सुदूरवर्तीशिक्षार्थियोंतकपहुंचआसान–प्रोफेसरसत्यकाम

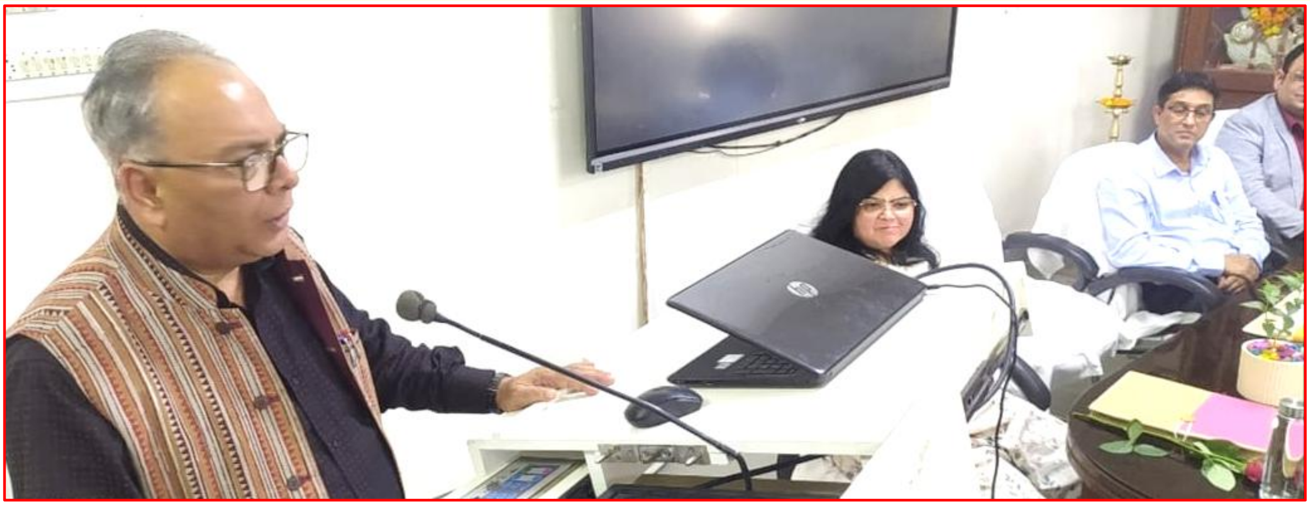

कार्यशाला के उद्‌घाटन सत्र की अध्यक्षताकरतेहुए कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकिवर्तमान समय मेंऑनलाइन एजुकेशन के क्षेत्र मेंस्वयंप्रभा का महत्वपूर्ण योगदानहैक्योंकि इस प्लेटफार्म द्वारासुदूरवर्तीशिक्षार्थियोंतकहमअपनीपहुंचआसानबनासकतेहैं।उन्होंनेविश्वविद्यालय के सभीशिक्षकों से अपेक्षा की किवे कम से कम एक–एकवीडियोलेक्चरअवश्य तैयारकरें।साथहीशिक्षकोंकोप्रोत्साहितकरतेहुए कहाकिस्वयंप्रभा के लिए विषयवस्तुतैयारकरते समय वेअन्य विषय विशेषज्ञों की मदद ले सकतेहैं।

इस अवसरपरकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकि यूजीसी से 12 बी की मान्यतामिलने के बादशिक्षकों के लिए विकास के नए अवसरसामनेआ गए हैं।जिसकाउन्हेंपूरालाभउठानाचाहिए।अबवहअपनी रुचि के अनुसारअनुसंधानपरियोजनाओं का संचालनकरसकतेहैं।जिसकेलिए विश्वविद्यालय अनुदानआयोग से उन्हेंसहायताप्राप्तहोगी।इसकेसाथही नए औरनवाचारीपाठ्यक्रम शुरू करने एवंछात्रों की आवश्यकताओं के अनुसारमौजूदापाठ्यक्रमोंकोसंशोधितकरउसेअद्यतनकरनेमेंसहायतामिलेगी।

धन्यवादज्ञापनकरतेहुए डॉ दिनेशकुमारगुप्ता

राष्ट्रगान

कार्यशाला के द्वितीय सत्र मेंरिसोर्सपर्सन एवंविशिष्टवक्ता डॉ ज्योत्सनादीक्षित, अपरनिदेशक, एन सीआईडीई , इग्नू , नईदिल्ली ने अपनेवक्तव्य मेंस्वयंप्रभापरवीडियोसामग्री के लिए शैक्षणिक योजना के अंतर्गतपीपीटी के माध्यम से वीडियोसामग्रीनिर्माण, उसकेप्रकारऔरउससेनिकलनेवालेपरिणामों के बारेमेंविस्तारपूर्वकबताया।कार्यक्रम की शुरुआतअतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र परमाल्यार्पणकर की गयी।

वीडियोसामग्रीविकसितकरनेपरमुविविमेंदोदिवसीय कार्यशाला का समापन

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराजमेंदिनांक 4 अप्रैल 2025 कोउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराजमेंसेंटरफॉरऑनलाइन एजुकेशन द्वाराडेवलपिंगवीडियोकंटेंटफॉरस्वयंप्रभाविषय परदोदिवसीय कार्यशाला के द्वितीय दिवस का आयोजन छठे सत्र से प्रारंभहुआजिसकाविषय 'वीडियोरिकॉर्डिंग के लिए सामग्रीविकसितकरनेपर व्यावहारिक सत्र' रहा । इस सत्र का उद्देश्य प्रतिभागियोंकोडिजिटलशिक्षा औरप्रशिक्षणसामग्रीतैयारकरनेमें दक्ष बनानाथा।सेंटरफॉरऑनलाइन एजुकेशन के निदेशकप्रो ए के मालिक ने प्रभावीवीडियो एवंविषय वस्तुनिर्माण के बारेमेंबताया।कार्यशाला के रिसोर्सपर्सनइंदिरागांधीराष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय, नईदिल्ली डॉ0 ज्योत्सनादीक्षितऔर डॉ0 निराधर डे ने वीडियोआधारितशिक्षणसामग्री के महत्वऔरउसकी बढ़ती मांगपरप्रकाशडाला।इसकेपश्चातप्रतिभागियोंकोकंटेंटडेवलपमेंट की मूलभूतप्रक्रियाओं से परिचितकरायागया एवंप्रतिभागियोंकोविषयवस्तु के अनुसारस्क्रिप्टतैयारकरने की प्रक्रिया, रिकॉर्डिंगतकनीक एवं एडिटिंग के बारेमेंविस्तार से बतायागया।सभीप्रतिभागियों ने व्यावहारिक रूप से स्क्रिप्टलिखी, परिचयात्मकवीडियोरिकॉर्डकियातथासंपादितकरप्रसारितभीकिया। इस प्रक्रियामेंउन्हेंरचनात्मकताऔरतकनीकीकौशलदोनों के प्रयोग का अवसरमिला।समापन सत्र की अध्यक्षताविश्वविद्यालय के माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी ने की।

कार्यक्रम का संचालन डॉ ज्ञानप्रकाश यादवतथाधन्यवादज्ञापन डॉ त्रिविक्रमतिवारी ने किया। इस अवसरपरस्वयंप्रभा के नोडलअधिकारीप्रोफेसर ए0 के0 मलिकसेंटरफॉरऑनलाइन एजुकेशन के उप निदेशक डॉ0सी के सिंह एवंसहायकनिदेशक डॉ0साधनाश्रीवास्तवआदिउपस्थितरहे।

कार्यक्रम का संचालनकरतेहुए डॉ0 ज्ञानप्रकाश यादव

सत्र के अंत मेंप्रतिभागियोंको उनके कार्यों के आधारपरप्रतिक्रियादीगई । प्रतिभागियों ने इस सत्र कोअत्यंतलाभकारीऔरप्रेरणादायकबताया। सातवें सत्र मेंस्वयंप्रभा के लिए कंटेंटडेवलपमेंटपरप्रतिभागियों द्वाराअपनीप्रतिक्रियादीगई।
प्रतिभागियों ने बतायाकिकंटेंटडेवलपमेंट की प्रक्रियाकोसरलऔरस्पष्ट रूप से समझायागया।
प्रतिभागियों ने इस बात की सराहना की कितकनीकीपक्ष (जैसे वीडियो एडिटिंग, स्क्रिप्टलेखन, फॉर्मेटिंग) कोभीविस्तृत रूप से प्रस्तुतकियागयासाथहीसाथहैंड्स–ऑन सत्र औरसमूहचर्चाकोउपयोगीबतायागया, जिससेउन्हेंव्यावहारिकअनुभवप्राप्तहुए।
आठवें सत्र मेंप्रतिभागियों द्वाराऑडियो–विजुअललैबमेंवीडियोरिकॉर्डकिए गए।नवें सत्र मेंप्रतिभागियों ने अपनीप्रतिक्रियाएंव्यक्तकी।

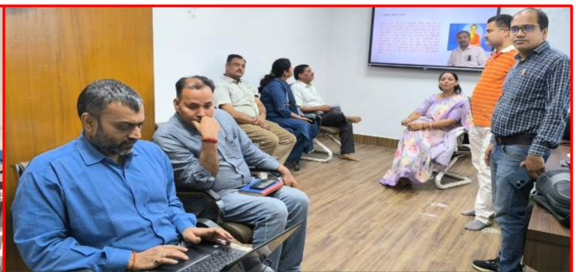

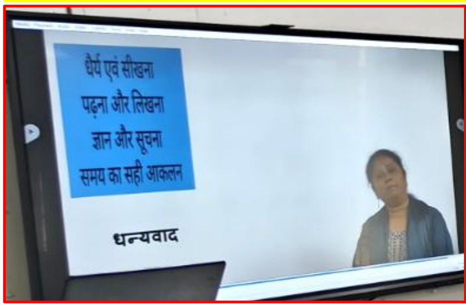
धैर्य एवं सीखना
पढ़ना और लिखना
ज्ञान और सूचना
समय का सही आकलन
धन्यवाद

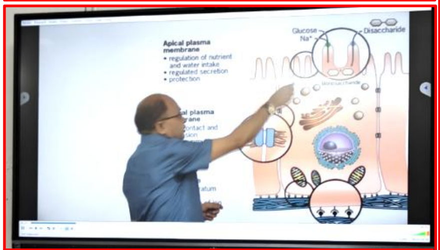
Apical plasma membrane
regulation of nutrient and water intake
regulated secretion
protection
Glucose
Disaccharide

MAHI-108 कथा साहित्य

शैक्षणिकवीडियोलेक्चरशिक्षक के करियरसंवर्धनमेंमहत्वपूर्णभूमिकानिभाएगी : प्रो0सत्यकाम

समापन सत्र की अध्यक्षताकरतेहुए माननीय कुलपतिआचार्यसत्यकाममहोदय जी ने सभीप्रतिभागियों का उत्साहवर्धनकरतेहुए स्वयंप्रभा के लिए शैक्षणिकवीडियोसामग्रीतैयारकरनेतथाअन्य विषय विशेषज्ञों का सहयोगलेने की बातकही।अपनेवक्तव्य मेंउन्होंनेकहाकिस्वयंप्रभापरतैयार शैक्षणिकवीडियोलेक्चरशिक्षक के करियरसंवर्धनमेंमहत्वपूर्णभूमिकानिभाएगी।

धन्यवादज्ञापनकरतेहुए डॉ0त्रिविक्रमतिवारी

मुक्तविश्वविद्यालय मेंडॉ०भीमरावअम्बेडकरजीके जयंती की पूर्वसन्ध्या एकदिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

भारतरत्नबोधिसत्वडॉ०भीमरावअम्बेडकरजी 134 वी जयंती की पूर्वसन्ध्यादिनांक 13 अप्रैल, 2025 कोसमाजविज्ञानविद्याशाखा के तत्वाधानमें एकदिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार'भारतीय संविधानपरविमर्श' का आयोजनकियागया।व्याख्यान के मुख्य वक्ताश्रीमुकेशमिश्रा (से नि) न्यायाधीश एवंपूर्वसदस्य उ०प्र०लोकसेवाआयोग, प्रयागराजथे।

मुख्य वक्ता ने अपनेउद्बोधनमेंकहाकि डॉ0 आबेडकरजी एक समाजसुधारक, संविधानशिल्पी, कुशलतथाप्रखरवक्ता, तथाकुशलराजनीतिज्ञथे।उन्होंनेसमाज के प्रत्येकवर्ग के लिए अधिकारतथाकर्तव्यो का प्रावधानभारतीय संविधानमेंउपलब्धहै । वस्तुतभारतीय संविधानभारत की जनमानस की मुखरअभिव्यक्तिहै।उन्होंने डॉ0 अम्बेडकरजी द्वाराकियेगयेविभिन्नकार्यों का भीउल्लेख किया।उन्होंनेकहाकिसंविधानप्रारुपसमिति के अध्यक्ष होने के कारणउन्होनेविभिन्नसमिति के सदायों से इस विषय परसुझाव एवंविचार–विमर्शकिया।उन्होंनेकहाकिभातीय संविधानभारत के सभीनागरिकोकोसमानअधिकारप्रदालकरताहै।संविधान की दृष्टिकोणमेंसभीसमानहै । सभीव्यक्तिकोसंविधानमेंनिहितलोकतान्त्रिक मूल्यों का सम्मानतथापालनकरनाचाहिए । तबतभीसच्चेअर्थोमेंभारतीय संविधान के प्रति श्रद्धा भावव्यक्तिकियाजाममताहै।भारतीय संविधानपरविमर्शी यह एक वृहदतथाव्यापकविषय है।जिसपरजितनाविमर्शकियाजाय कम है । अन्तमेंउन्होनेकहाकिभारतीय संविधानसच्चेअर्थीमेंलोकतान्त्रिक मूल्यों एवंप्रक्रियाओंकोमजबूतकरने का सबसेसशक्ततथाप्रक्लमाध्यमहै।

कार्यक्रममेंधन्यवादज्ञापनप्रो. संजय कुमार सिंह, आचार्य, भूगोल, समाजविज्ञानविद्या शाखा ने कियास्वागत एवंअतिथिपरिचय प्रो०सन्तोषाकुमारनिर्देशकसमाजविज्ञान ने किया । कार्यक्रम का संचालन डॉ0 सुनीलकुमार, (सहायक आचार्य, समाजविज्ञानविद्याशाखा ने किया। इस अवसरविश्वविद्यालय के विभिन्नविद्याशाखाओं के निदेशक, आचार्य, सह–आचार्य, सहायकआचार्यविभिन्न क्षेत्रीय केन्दों के समन्वयक, कर्मचारीगण के साथशिक्षार्थी एवं शोधछात्र कार्यक्रममेंजुड़ेरहे।

डॉ0 अम्बेडकर एकमहानसमाजसुधारणथे : प्रोफेसरसत्यकाम

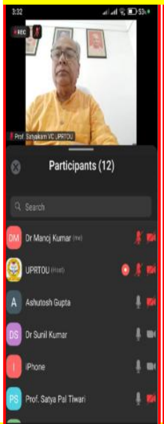

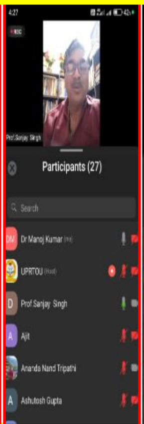

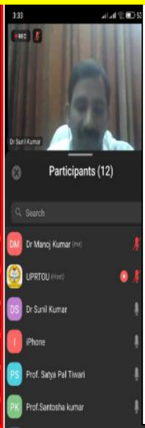

अध्यक्षीय उद्बोधनविश्वविद्यालय के माननीय कुलपतिआचार्यसत्यकामजी ने कहाकिभारतीय संविधान के निर्माताडॉ०भीमरावअम्बेडकरजी एक महानतथाविशालव्यक्ति के धनीथे।उनकाव्यक्ति एवंकृतित्वकालजईहै।उन्होंने डॉ0 अम्बेडकरजी द्वाराकियेगयेविभिन्नसत्प्रयासों का उल्लेख किया । माननीय कुलपतिजी ने भारतीय संविधानमेंनिहितनीति–निर्देशकतत्वो, मौलिकअधिकारोंतथामूलकर्तव्यो का उन्लेख करतेहुए कहाकि ये सभीव्यक्तिनागरिककोअपनेकर्तत्वो के प्रतिईमानदारीतथानिष्ठा से कार्यकरने के लिए प्रेरितकरतेहै।भारतीय संविधान का निर्माणअथकतथाप्रयासोतथाविचारविमर्श के उपरान्तनिर्मित एक दस्तावेजहै, जोहमसभीकोलोकतान्तिकमूल्योतथासिद्धान्तो के अनुसारचलने की प्रेरणाप्रदानकरतीहै।माननीय कुलपतिजीकहा डॉ0 अन्बडेकरआधुनिकराष्ट्र निर्माण के प्रबलतथासशस्तसमर्थकथे।उन्होंनेकहाकिउन्होंनेसमाज मे व्याप्तविभिन्नकुरीतियोतथाबुराइयों का विरोधकियाऔरसर्वस्पर्शीसमात के निर्माण के पक्षधरथे।अन्तमेंमाननीय कुलपतिजी ने कहाकि डॉ0 अम्बेडकर के सिद्धांतों एवंमूल्यों का अनुसरणकरनाही उनके प्रतिसच्ची श्रद्धा तथाआस्थाहोगी।डॉ0 अम्बेडकर एक

डॉ0 भीमरावअंबेडकरजी की जयंती के अवसरपरविश्वविद्यालय मेंपुष्पअर्पण एवंपुष्पांजलिकार्यक्रम का आयोजन

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराजमेंदिनांक 14 अप्रैल, 2025 कोभारतरत्नबोधिसत्वडॉ0 भीमरावअंबेडकरजी की 134वीं जयंती के अवसरपरविश्वविद्यालय के गंगापरिसरमेंस्थितप्रशासनिकभवनमेंपुष्पअर्पण एवंपुष्पांजलिकार्यक्रम का आयोजनकियागया।सर्वप्रथमविश्वविद्यालय के माननीय कुलपतिआचार्यसत्यकामजी ने माल्यार्पणकरकार्यक्रम का शुभारंभकिया।तत्पश्चातवहांउपस्थितसभीलोगों ने उनके चित्र परपुष्पअर्पणकिया।

इस अवसरपरमानविकीविद्या शाखा के डॉ0 अतुलकुमारमिश्रा ने डॉ0 भीमरावअंबेडकरजी के जीवन–दर्शनपरप्रकाश डाला उन्होंनेगांधीजी एवंअंबेडकरजी के विचारों की सार्थकतापरप्रकाशडाला।

माननीय कुलपतिआचार्यसत्यकामजी ने डॉ0 भीमरावअंबेडकरजी के संपूर्ण जीवन–दर्शन का सारगर्भिततथातार्किकविश्लेषणकिया।इन्होंनेकहाकि डॉ अंबेडकरजी की तुलनाकिसी से नहीं की जासकतीउन्होंनेराष्ट्र निर्माणमें डॉ0 अंबेडकरजी द्वाराकिए गए सत्य प्रयासों का उल्लेख किया।उन्होंनेकहाकिउनकाव्यक्तित्व एवं कृतित्वकालजईहै।वेराष्ट्र निर्माण के प्रबलतथा प्रखरसमर्थकथे।उन्होंनेकहाकि डॉ0अंबेडकरजीकोकिसीविचारधारा एवंधारामेंसीमितकरनागलतहै।वहसर्वसमाज के चिंतकतथाविचारकथे।

धन्यवादज्ञापनप्रोफेसरसन्तोषाकुमार, निदेशकसमाजविज्ञानविद्या शाखा ने दिया।उन्होंनेअंबेडकरजी के व्यक्तित्वपरप्रकाशडाला।कार्यक्रम का संचालन डॉ0 सुनीलकुमार,सहायकआचार्यसमाजविज्ञानविद्या शाखा ने किया। अंत मेंकार्यक्रमसामूहिकराष्ट्रगान के साथसंपन्नहुआ।

'Ambedkar played pivotal role in shaping India's democratic framework'

PIONEER NEWS SERVICE ■ Prayagraj

Floral tribute was paid to Bharat Ratna Dr Bhimrao Ambedkar on his 134th birth anniversary by the staff and employees of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU) during a programme organised at the administrative building of its Ganga campus on Monday. Vice-Chancellor (V-C) Professor Satyakam inaugurated the programme by garlanding the portrait of Dr Ambedkar.

The V-C hailed Dr Ambedkar as a visionary nation builder who fostered unity and progress. He said Dr Ambedkar played a pivotal role in shaping India's democratic framework, ensuring representation and equality for all citizens. His tireless efforts aimed at uplifting marginalised communities, promoting social amalgamation, and combating caste-based discrimination.

Dr Ambedkar's thoughts on linguistic states, official languages and federal polity remain relevant today, showcasing his pragmatic approach to nation building, he added.

During the event, Dr Atul Kumar Mishra from the Humanities Faculty shed light on the significance of Gandhi and Ambedkar's thoughts, highlighting their impact on India's socio-political landscape. The programme concluded with a national anthem.

मुक्तविश्वविद्यालय में शोध एवंविकासप्रकोष्ठ के अन्तर्गत शोध गुणवत्ताउन्नयनहेतुविशिष्टव्याख्यान का आयोजन

शोध एवंविकासप्रकोष्ठ द्वारा सत्र 2024–25 के सापेक्ष प्रथमचरणमेंप्री–पीएच.डी. कोर्सवर्क के कुछमहत्वपूर्णप्रकरणोंको दृष्टिगत रखतेहुए पी–एच.डी. प्रवेश 2024–25 के प्रवेशितअभ्यर्थियों, पूर्व के पंजीकृत शोधार्थियोंतथा शोधपरवेक्षकोंकोहेतुदिनांक 16 अप्रैल, 202 कोResearch and Resesrch Process विषय परविशिष्टव्याख्यान का आयोजनविश्वविद्यालय के सरस्वतीपरिषदस्थिततिलक शास्त्रार्थसभागारमेंआयोजितकियागया । व्याख्यान के मुख्य वक्ताइन्दिरागॉधीराष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय, नईदिल्ली के पूर्वनिदेशक, नियोजन एवंविकास केप्रोफेसरपंकज खरेजीरहे।

प्रोफेसरपंकज खरेने बतायाकि शोध केवल एक शैक्षिककार्यनहींहैबल्कि यह एक बौद्धिक यात्रा भीहैइसलिए पुस्तकोंमेंलिखीहुईपरिभाषाओं से आगे बढ़तेहुए व्यक्तित्वअनुभवोंकोजोड़करवैज्ञानिकप्रक्रिया के माध्यम से निष्कर्षोतक बढ़नाचाहिए।उन्होंने एक शोध कर्ता के रूपमें धर्म, नैतिकता, ईमानदीतथासंसुगतदिशामें शोध की यात्रा करनीचाहिए।

;kstukcksMZ dh 39oha cSBdvk;ksftr

उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराजकी योजनाबोर्ड की 39वीं बैठकदिनांक17 अप्रैल, 2025कोअपराह्न 12:15बजेकमेटीकक्ष मेंआहूत की गई।बैठक की अध्यक्षताविश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, प्रोफेसरसत्यकामजी ने की।बैठकमेंकईमहत्वपूर्णनिर्णय लियेगये।

प्रोफेसरसत्यकाम
माननीय कुलपति

योजनाबोर्ड की बैठक की अध्यक्षताकरतेहुए माननीय कुलपतिजी एवंउपस्थितमाननीय सदस्यगण।

बैठकमें प्रो0 एस0 पी0 माथूर, प्रबन्ध शास्त्र संस्थान, काशीहिन्दुविश्वविद्यालय, वाराणसी, प्रो0 हरिकेश सिंह, पूर्वकुलपति, जय प्रकाशविश्वविद्यालय, छपराबिहार, डॉ0 राकेशकुमारतिवारी, अर्थशास्त्र विभाग, महात्मागॉधीकाशीविद्यापीठ, वाराणसी, श्रीबनमाली सिंह, उप कुलसचिव, इन्दिरागॉधीराष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय, नईदिल्ली, श्रीकुमारकुन्तल, वरिष्ठमण्डलप्रबन्धक, प्रभारी, भारतीय जीवन बीमानिगम, प्रयागराजमण्डल, प्रयागराज,डॉ0 पंकज खरे, पूर्वनिदेशक, नियोजन एवंविकास, इन्दिरागॉधीराष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय, नईदिल्ली (विशेष आमंत्रित सदस्य), प्रो0 आशुतोषगुप्ता, निदेशक, विज्ञानविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 मीरापाल, आचार्य (फूड न्यूट्रिशन एवं डाइटेक्सि), स्वास्थ्य विज्ञानविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 आनन्दानन्द त्रिपाठी, एसोसिएटप्रोफेसर, (राजनीति विज्ञान) समाजविज्ञानविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, श्रीमनोजकुमारबलवन्त, असिस्टेन्ट (कम्प्यूटर विज्ञान), विज्ञानविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज एवंकर्नलविनय कुमार, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज (ऑफ लाइन एवं ऑनलाइन) ने प्रतिभागकिया।

योजनाबोर्ड की बैठक की अध्यक्षताकरतेहुए माननीय कुलपतिजी एवंउपस्थितमाननीय सदस्यगण।

मुक्तविश्वविद्यालय में शोध एवंविकासप्रकोष्ठ के अन्तर्गत शोध गुणवत्ताउन्नयनहेतुविशिष्टव्याख्यान का आयोजन

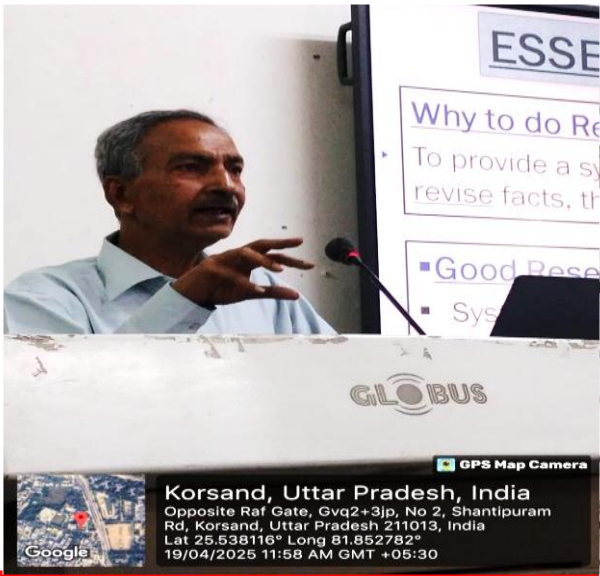

शोध एवंविकासप्रकोष्ठ द्वारा सत्र 2024–25 के सापेक्ष प्रथमचरणमेंप्री–पीएच.डी. कोर्सवर्क के कुछमहत्वपूर्णप्रकरणोंको दृष्टिगत रखतेहुए पी–एच.डी. प्रवेश 2024–25 के प्रवेशितअभ्यर्थियों, पूर्व के पंजीकृत शोधार्थियोंतथा शोधपरवेक्षकोंकोहेतुदिनांक 16 अप्रैल, 202 कोEssentials of Researchविषय परविशिष्टव्याख्यान का आयोजनविश्वविद्यालय के सरस्वतीपरिषदस्थिततिलक शास्त्रार्थसभागारमेंआयोजितकियागया । व्याख्यान के मुख्य वक्ताइन्दिरागॉधीराष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय, नईदिल्ली के प्रोफेसरसुदीपझा जीरहे।

प्रोफेसरसुदीपरंजन ने मौलिकतथा एक अच्छे शोध की मूलभूतप्रत्ययोंकोस्पष्टकियातथासम्बन्धितसाहित्य सर्वेक्षणकोप्रभावशाली एवंढंग से करनेपरजोरदिया, साथहीवर्तमानपूर्व शोध अध्ययनों का आलोचनात्मकपरीक्षणकर शोध के रिक्तस्थानोंपरकार्यकरने का सुझाव दिया।उन्होंनेविभिन्नपकार के शैक्षिकडेटाबेसजैसे श्रेज्व्एˆब्व्हैए ळव्ळस्एˆब्व्ह।ट की ओरभीसंकेतकिया।

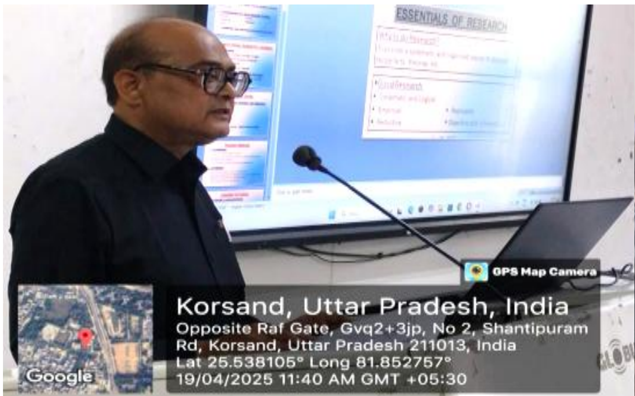

मुक्तविश्वविद्यालय में शोध एवंविकासप्रकोष्ठ के अन्तर्गत शोध गुणवत्ताउन्नयनहेतुविशिष्टव्याख्यान का आयोजन

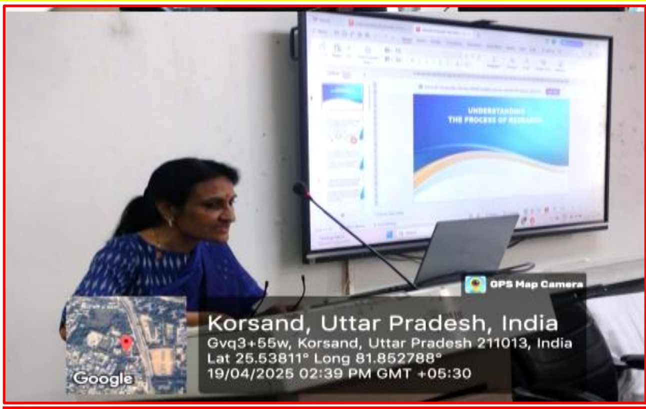

शोध एवंविकासप्रकोष्ठ द्वारा सत्र 2024–25 के सापेक्ष प्रथमचरणमेंप्री–पीएच.डी. कोर्सवर्क के कुछमहत्वपूर्णप्रकरणोंको दृष्टिगत रखतेहुए पी–एच.डी. प्रवेश 2024–25 के प्रवेशितअभ्यर्थियों, पूर्व के पंजीकृत शोधार्थियोंतथा शोधपरवेक्षकोंकोहेतुदिनांक 16 अप्रैल, 202 कोUnderstanding Research & Qualitative Approaches of Researchविषय परविशिष्टव्याख्यान का आयोजनविश्वविद्यालय के सरस्वतीपरिषदस्थिततिलक शास्त्रार्थसभागारमेंआयोजितकियागया । व्याख्यान के मुख्य वक्ताइन्दिरागॉधीराष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय, नईदिल्ली के डॉ0 पूनमभूषणजीरहे।

डॉ0 पूनमभूषणने अपनेप्रथम सत्र में शोध के दार्शनिक एवंप्रत्यीय पक्षोंकोस्पष्टकरतेहुए तत्वमिमांशातथाज्ञानमिमांसा के आधारपर शोध अभिकल्पतथा शोध विधि के चयन का सुझाव दिया डॉ0 पेनमभूषण ने अपने द्वितीय सत्र तथाविशिष्टव्याख्यान के अंतिम सत्र मेंगुणात्मक शोध के विभिन्न क्षेत्रोंगुणात्मक शोध विधियोंतथागुणात्मकसंमकों के विष्लेषण की विभिन्नविधियोंकोस्पष्टकिया।

विद्यापरिषद् की 84वीं बैठकआयोजित

उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय की विद्यापरिषद् की 84वीं बैठकदिनांक19 अप्रैल, 2025कोअपराह्न 03:15बजेकमेटीकक्ष मेंआहूत की गई।बैठक की अध्यक्षता, विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, प्रो0 सत्यकामजी ने की।बैठकमेंमहत्वपूर्णनिर्णय लियेगये।

सर्वप्रथमबैठकप्रारंभहोने से पूर्वकुलसचिव ने माननीय कुलपतिजी से सभीसम्मानितसदस्यों का परिचय कराया।तत्पश्चातमाननीय कुलपतिजी ने सभीसदस्यों का स्वागतकिया । इसकेउपरांत माननीय कुलपतिजी की आज्ञा से कुलसचिव ने बैठक की कार्यवाहीप्रारंभकी।

fo|kifj"kn ds cSBd dh v/;{krkdjjgsekuuh; dqyifr izks0 lR;dketh ls cSBdizkjEHkdjus dh

प्रोफेसरसत्यकाम
माननीय कुलपति

fo|kifj"kn ds cSBd dh v/;{krkdjrsgq, ekuuh; dqyifr izks0 lR;dketh ,oacSBdesamifLFkr ek0 lnL;x.kA

बैठकमें प्रो0 संदीपरंजनझा, प्रोफेसर, भौतिकी, विज्ञानसंकाय, इन्दिरागॉधीराष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय, नईदिल्ली, डॉ0 पंकज खरे, पूर्वनिदेशक, नियोजन एवंविकास, इन्दिरागॉधीराष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय, नईदिल्ली, प्रो0 किरणहजारिका, प्रकतकुलपति, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, पंजाब, भटिंडा, प्रो0 मानुका खन्ना, प्रतिकुलपति, लखनऊविश्वविद्यालय, लखनऊ, प्रो0 राजशरण शाही, शिक्षा शास्त्र विभाग, बाबासाहबभीमरावअम्बेडकरविश्वविद्यालय, लखनऊ, प्रो0 आशुतोषगुप्तानिदेशक, विज्ञानविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सत्यपालतिवारी, निदेशक, मानविकीविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 प्रशान्तकुमारस्टालिन, निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सन्तोषाकुमार, निदेशक, समाजविज्ञानविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 श्रुति, आचार्य (सांख्यिकी), विज्ञानविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 छत्रसाल सिंह, आचार्य (शिक्षा शास्त्र), शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 गिरीशकुमार द्विवेदी, एसोसिएटप्रोफेसर, (शिक्षा शास्त्र), शिक्षा शास्त्र विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 दिनेश सिंह, एसोसिएटप्रोफेसर, (शिक्षा शास्त्र), शिक्षा शास्त्र विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 सी0 के सिंह, सहायकआचार्य, (कम्प्यूटर विज्ञान) विज्ञानविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 सुरेन्द्रकुमार, असिस्टेन्टप्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज एवंश्रीविनय कुमार, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराजआनलाइन/आफलाइनउपस्थितरहे।

fo|kifj"kn ds cSBd dh v/;{krkdjrsgq, ekuuh; dqyifr izks0 lR;dketh ,oacSBdesamifLFkr ek0 lnL;x.kA

मुक्तविश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रअयोध्यापरटेबलेटवितरणकार्यक्रम

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्रअयोध्या के परास्नातक के शिक्षार्थीयोंकोउत्तरप्रदेशसरकार के स्वामीविवेकानंद युवासशक्तिकरण योजना के तहतटेबलेटवितरितकियागया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथिश्रीसंजीव सिंह, भाजपाजिलाध्यक्ष, अयोध्याविशिष्टअतिथिप्रो. योगेन्द्रप्रसाद त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष, समाज शास्त्र, का.सु. साकेतमहाविद्यालय एवंमानशभूषणराम त्रिपाठी, पूर्वविभागसंगठनमंत्री, एबीवीपी एवंपूर्वछात्र संघउपाध्यक्ष, साकेतमहाविद्यालय रहे।कार्यक्रममें 25 से अधिकशिक्षार्थियों ने टेबलेटप्राप्तकिया।

अमृतकालमेंसंविधानदिवस के उपरांतवर्ष–पर्यन्तहोनेवालेकार्यक्रम के तहतमहिलासशक्तिकरणविषय परप्रो. योगेन्द्रप्रसाद त्रिपाठी का व्याख्यानहुआ।प्रो. त्रिपाठी ने शिक्षार्थियोंकोसंबोधितकरतेहुए कहाकिसरकार की स्वामीविवेकानंद युवासशक्तिकरण योजना के तहतप्राप्तस्मार्टफोन/टेबलेटमहिलाओंकोतकनीकी रूप दक्ष बनाकरउनकासर्वसमावेशीविकासकरसशक्तबनारहीहै।भारतीय समाजमेंप्राचीनकाल से हीमहिलाओंकोउच्चस्थानप्राप्तहोतारहाहै।आज के समय मेंउच्चशिक्षा प्राप्तकरमहिलाएंसरकार एवंनिजी क्षेत्रोंमेंउच्चपदोंपरसुशोभितहोरहीहै।

कार्यक्रममेंटेबलेटप्राप्तशिक्षार्थियोंको क्षेत्रीय समन्वयक डॉ शशिभूषणराम त्रिपाठी ने बधाईदीऔरउनके प्रतिआभारव्यक्तकिया।

मुक्तविश्वविद्यालय से पढ़ाई के साथटेबलेटप्राप्तकरनेवालेअचिंत्य पाण्डेय, आशीषसिंह,अनीशअसरफ, अभिषेकपाण्डेय,देवचंद्र यादव,जयागुप्ता, स्वातिगुप्ता, अंकिताबारी, रेखा बारीआदि ने प्रसन्नताव्यक्त की और मा. मुख्यमंत्री एवंविश्वविद्यालय के माननीय कुलपतिजी के प्रतिआभारव्यक्तकिया।

शिष्टाचारभेंट

माननीयाराज्यपाल, उत्तरप्रदेश एवंविश्वविद्यालय की कुलाधिपतिमहोदया श्रीमती आनंदीबेनपटेलजी से उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के नवनियुक्तकुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजीशिष्टाचारभेंटकरतेहुए।

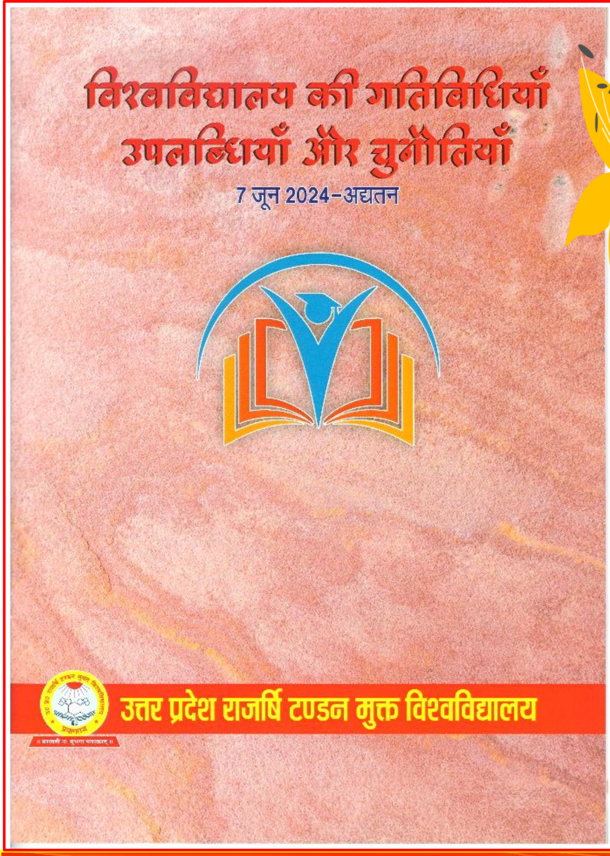

माननीयाराज्यपाल, उत्तरप्रदेश एवंविश्वविद्यालय की कुलाधिपतिमहोदया श्रीमती आनंदीबेनपटेलजी से उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी ने सपत्नीकदिनांक 23 अप्रैल, 2025 कोराजभवन, लखनऊमेंशिष्टाचारभेंट की तथाविश्वविद्यालय की गतिविधियों से माननीयाकुलाधिपतिमहोदयाजीकोअवगतकराया एवंविश्वविद्यालय की

चयनितकैंडिडेट्सकोप्रशिक्षणदेतेहुए भारतीय जीवन बीमानिगम के शाखा प्रबंधकसौरभजैन

मुक्तविश्वविद्यालय मेंबीमासखीपरप्रशिक्षणकार्यक्रमसंपन्न

विश्वविद्यालय प्रयागराजमेंबुधवारदिनांक 23 अप्रैल, 2025 कोभारतीय जीवन बीमानिगम द्वारा''बीमा सखी पद परचयनहेतुप्रशिक्षणकार्यक्रमआयोजितकियागया।भारतीय जीवन बीमानिगम के शाखा प्रबंधकसौरभजैन ने सभीचयनितकैंडिडेट्सकोप्रशिक्षणदिया।कार्यक्रम की अध्यक्षताविश्वविद्यालय के कुलसचिवकर्नलविनय कुमार ने की।अतिथियों का स्वागत डॉ0सत्येंद्रकुमार द्वारा एवंधन्यवादज्ञापनश्रीमनोजकुमारबलवंत द्वाराकियागया।कार्यक्रम का संचालनप्लेसमेंटसेलप्रभारी डॉ0ज्ञानप्रकाश यादव द्वाराकियागया।कार्यक्रममेंकुल 128 छात्रों द्वारापंजीकरणकरायागया। इस अवसरपरविश्वविद्यालय के छात्र एवंशिक्षकउपस्थितरहे

कार्यक्रम का संचालनकरतेहुए प्लेसमेंटसेलप्रभारी डॉ0 ज्ञानप्रकाश यादव

पुष्पगुच्छभेंटकरअतिथियों का स्वागतकरतेहुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

अतिथियों का स्वागतकरतेहुए डॉ0 सत्येंद्रकुमार

कार्यक्रम की अध्यक्षताकरतेहुए विश्वविद्यालय के कुलसचिवकर्नलविनय कुमार

मुक्तविश्वविद्यालय के कुलपति ने की पहलगामहमले की कड़ीनिंदा, मृतकों के प्रतिश्रद्धांजलि

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने पहलगामहमले की कड़ीभर्त्सना की है।पहलगामहमले की कड़ीनिंदाकरतेहुए प्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकि इस तरह की घटनाएंसमाज एवंराष्ट्र के लिए हानिकारकहैं । इस समय हमें शांति और सौहार्द बनाए रखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कश्मीरमेंनिहत्थेऔरपर्यटकोंपरआतंकवादियों द्वाराकियागयाआक्रमणबहुतही दुरूखदऔरचिंताजनक घटनाहै। ऐसी घटनाएं न केवलनिर्दोषलोगों की जानलेतीहैं, बल्कि क्षेत्र की शांतिऔरसुरक्षा कोभी खतरेमेंडालतीहैं। इस तरह की घटनाओं से निपटने के लिए सरकारऔरसुरक्षा एजेंसियोंको सख्त कदमउठाने की आवश्यकताहै, जिससेआतंकवादियों के मंसूबोंकोनाकामकियाजासकेऔर क्षेत्र में शांतिऔरसुरक्षा बहाल की जासके।

उन्होंनेकहाकिहमें एकजुटहोकर ऐसी घटनाओं की निंदाकरनीचाहिए और शांतितथासौहार्दको बढ़ावादेने के लिए मिलजुलकरकामकरनाचाहिए।उन्होंनेमृतकों के प्रतिश्रद्धांजलितथा शोकसंतप्तपरिवारों के प्रतिसंवेदनाव्यक्त की और घायलों के शीघ्रस्वस्थहोने की कामनाकी।

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

रोजगार मेला

25 अप्रैल, 2025

आयोजक: प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ एवं क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, प्रयागराज

मुख्य अतिथि:	अध्यक्षता:	प्रभारी:
श्री राजीव कुमार यादव	**आचार्य सत्यकाम**	**डा. ज्ञान प्रकाश यादव**
सहायक निदेशक	मा. कुलपति	प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ
क्षेत्रीय सेवायोजन, प्रयागराज	उ.प्र. रा.ट.मु.वि.वि. प्रयागराज	उ.प्र. रा.ट.मु.वि.वि. प्रयागराज

मुक्तविश्वविद्यालय के रोजगारमेलेमें 249 कोमिलीनौकरी

उत्तरप्रदेशराजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के सरस्वतीपरिसरमें शुक्रवारदिनांक 25 अप्रैल, 2025 को क्षेत्रीय सेवायोजनकार्यालय प्रयागराज के सहयोग से रोजगारमेले का आयोजनकियागया।प्लेसमेंटसेल के प्रभारी डॉ ज्ञानप्रकाश यादव ने बतायाकि क्षेत्रीय सेवायोजनकार्यालय, प्रयागराज के सहयोग से विभिन्न क्षेत्रों की 13 कंपनियों ने प्रतिभागकिया।उक्तमेलेमेंनिजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वाराविभिन्नरिक्तिपदोंपरचयन की कार्यवाही की गयी।रोजगारमेलेमेंआए हुए अभ्यर्थियों ने मौकेपरहीरोजगारसंगमपोर्टलपरपंजीकरणकराया।जिसकेपश्चातवेसाक्षात्कारमेंप्रतिभागकरसके।रोजगारमेलेमेंकुल 445 अभ्यर्थियों ने प्रतिभागकिया।सभीकंपनियोंमेंकुल 249 अभ्यर्थीचयनितहुए।

इससेपूर्वसरस्वतीपरिसरस्थितअटलप्रेक्षागृहमेंमेले का उद्घाटनउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम एवंसेवायोजनकार्यालय, प्रयागराज के सहायकनिदेशकश्रीराजीवकुमार यादव ने किया।

कार्यक्रम का संचालनप्रभारीप्लेसमेंटसेल डॉ0 ज्ञानप्रकाश यादव ने कियातथा धन्यवादज्ञापनकुलसचिवकर्नलविनय कुमार ने किया।कार्यक्रममेंविश्वविद्यालय के निदेशक, अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारीतथाअनेकछात्र–छात्राएंउपस्थितरहे।

कार्यक्रम का संचालनकरतेहुए प्लेसमेंटसेल के प्रभारी डॉ0 ज्ञानप्रकाश यादव

माननीय अतिथियोंकोपुष्पगुच्छभेंटकरउनकास्वागतकरतेहुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, प्रयागराज

रोजगार मेला स्थल- राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

दिनांक : 25.04.2025

क्र.सं.	कम्पनी का नाम	कक्ष संख्या	पदनाम	रिक्तियों की संख्या	शैक्षिक योग्यता	आयु सीमा	वेतन प्रतिमाह	कार्यस्थल	लिंग (M/F)
1.	1. आर.जी. टेक्नोसाल्यूशन प्रा.लि.	अटल प्रेक्षागृह लंच रूम	फील्ड सेल्स एक्जी./टेक्नीशियन	200	इण्टर/आई.टी.आई./डिप्लोमा	18+	30000	दिल्ली NCR	पुरूष
	2. सेलकाम साल्यूशंस		टेक्नीशियन	100	आई.टी.आई/डिप्लोमा/बी.टेक	18+	20000	दिल्ली NCR	पुरूष
2.	1. एडविक हाईटेक प्रा. लि.	अटल प्रेक्षागृह EC/AC कक्ष	अपरेंटीशिप ट्रेनी	200	इण्टर/स्नातक/आई.टी.आई./डिप्लोमा	18-28	19000	रूद्रपुर, उत्तराखण्ड	पु./म.
	2. महिन्द्रा लिमिटेड		अपरेंटीशिप ट्रेनी	100	इण्टर/स्नातक/आई.टी.आई./डिप्लोमा	18-26	12500+	हरिद्वार	पु./म.
3.	1. मदरसन मेट ऑटोमेटिव	अटल प्रेक्षागृह प्रथम तल	मशीन आपरेटर	150	इण्टर/स्नातक/आई.टी.आई./डिप्लोमा	18-32	15000	अहमदाबाद	पु./म.
	2. द गोल इण्डिया, कानपुर		मैनेजमेंट	65	इण्टर/स्नातक/आई.टी.आई/डिप्लोमा /बी.टेक./एम.बी.ए.	18-27	15000+	प्रयागराज, वाराणसी	पु./म.
4.	महादेव हनुमान विजय प्लेसमेंट सर्विस (उत्कर्ष बैंक)	लाइब्रेरी गार्गी A	टेक्नीशियन/ रिलेशनशिप आफीसर	500	स्नातक/आई.टी.आई./डिप्लोमा	18-35	17000	पैन यू.पी.	पु./म.
5.	हस्की स्टेलियन एजूकेशन प्रा.लि.	लाइब्रेरी गार्गी B	अपरेंटीशिप ट्रेनी	350	इण्टर/आई.टी.आई./डिप्लोमा/बी.टेक.	18-35	24000	फरीदाबाद	पुरूष
6.	विजय इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड	लाइब्रेरियन कक्ष	रूरल इलेक्ट्रीशियन	400	आइ.टी.आई.	20-25	14000	पैन इण्डिया	पुरूष
7.	पेरेग्रीन गार्डनिंग प्रा. लि.	सरस्वती परिसर कक्ष 104	सिक्योरिटी सर्विस	150	इण्टर/स्नातक	18-40	16000	लखनऊ/नोयडा	पुरूष
8.	गीगा कार्पसेल	सरस्वती परिसर कक्ष 207	स्टोरकीपर/सुपरवाइजर	65	इण्टर	18-35	220000	दिल्ली	पु./म.
9.	डिलोन कन्सलटेंट प्रा. लि.	सरस्वती परिसर कक्ष 206	सेल्स आफीसर	50	बी.एस.सी./बी.टेक./एम.बी.ए.	18-40	10000-50000	प्रयागराज	पु./म.
10.	ब्राइट फ्यूचर आर्गेनिक हर्बल एण्ड आयुर्वेदिक	सरस्वती परिसर कक्ष 204	मार्केटिंग आफीसर/प्रोजेक्ट मैनेजर	65	स्नातक	18-40	21000	प्रयागराज	पुरूष
11.	ग्रोफास्ट एग्रीटेक प्रा. लि.	सरस्वती परिसर कक्ष 105	सेल्स रिप्रजेंटेटिव	35	इण्टर/स्नातक	20-30	13000+	जबलपुर	पु./म.
12.	इण्डिया यमहा मोटर प्रा. लि.	सरस्वती परिसर कक्ष 107	बाइक ऑपरेटर	50	आई.टी.आई.	18-28	16300	नोयडा	पुरूष
13.	एल. एण्ड टी. कट्रंक्सन	सरस्वती परिसर कक्ष 205	हेल्पर, सर्वेयर	500	8वीं/आई.टी.आई/बी.एस.सी.	18-35	19000-22000	अहमदाबाद	पुरूष

व्यक्तिपरिश्रमसे सफलता के नए आयामस्थापितकरताहै : राजीवकुमार

रोजगारमेले के मुख्य अतिथिश्रीराजीवकुमार यादव, सहायकनिदेशक, क्षेत्रीय सेवायोजन, प्रयागराज ने प्रतिभागियों से कहाकि शुरुआतमहत्वपूर्णहोतीहै। एकबार शुरुआतकरने के बादव्यक्तिपरिश्रम से सफलता के नए आयामस्थापितकरताहै।

घरसे दूरनौकरी से होताहैव्यक्तित्व का विकास–प्रोफेसरसत्यकाम

अध्यक्षताकरतेहुए विश्वविद्यालय के कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने प्रतिभागियोंकोसंबोधितकरतेहुए कहाकिकार्यकरने के लिए यदि घर से दूररहनापड़ेतोइसमेंहिचकनहींहोनीचाहिए। यह परिवर्तनव्यक्ति के व्यक्तित्वमेंविकासकरताहै एवं जीवन मेंअग्रसरकरताहै।उन्होंनेकहाकिआगे बढ़ने के लिए एक कदमअवश्य उठाइए। योग्यता एवं क्षमता के अनुसारसेवाकरने का मौकामिलेगा।

धन्यवादज्ञापितकरतेहुए कुलसचिवकर्नलविनय कुमार

राष्ट्रगान

रोजगारमेले मे आयेहुए छात्रों से वार्ताकरतेहुए माननीय कुलपतिजी

हस्ताक्षरसमारोह

आईसीसीआर, रूट्स2 रूट्सऔर यूपीराजर्षि टंडन ओपन यूनिवर्सिटी ने ऑनलाइनभारतीय प्रदर्शनकलाओं की कक्षाएं शुरू करने के लिए मिलायाहाथ

भारतीय सांस्कृतिकसंबंधपरिषद (आईसीसीआर), रूट्स2 रूट्सऔर यूपीराजर्षि टंडन ओपन यूनिवर्सिटी(यूपीआरटीओयू) ने 30 अप्रैल, 2025 कोआईसीसीआरमुख्यालय, आज़ादभवन, नईदिल्लीमें एकमहत्वपूर्ण त्रिपक्षीय समझौतेपरहस्ताक्षरकिए।

इस समझौतेपरहस्ताक्षरआईसीसीआर की कार्यक्रमनिदेशक, श्रीमती अर्चना शर्मा; रूट्स 2 रूट्स के संस्थापक, श्रीराकेशगुप्ताऔर यूपीआरटीओयू के कुलसचिव, कर्नलविनय कुमार द्वाराकिए गए। इस समारोहमें यूपीआरटीओयू के कुलपतिप्रो. सत्यकाम,प्रभारीव्यवसायिक अध्ययन, प्रो0 संजय कुमार सिंह,आईसीसीआरऔर रूट्स 2 रूट्स के अन्य अधिकारीउपस्थितिरहे।

इस ऐतिहासिकसहयोग का उद्देश्य भारत की महानसंस्कृति का प्रचार–प्रसारकरनाहै, जिसकेतहतअंतरराष्ट्रीय छात्रोंऔरदुनियाभर के भारतीय प्रवासियों के लिए भारतीय प्रदर्शनअथवानिष्पादनकलाओं की लाइव, इंटरएक्टिवऑनलाइन कक्षाएंआयोजित की जाएंगी। यह समझौताभारत के नवाचारऔररचनात्मकता के माध्यम से वैश्विकसांस्कृतिकसंबंधोंको बढ़ावादेने की प्रतिबद्धता का प्रतीकहै।प्रस्तावितकलाविधाएँ हैं : कथक, भरतनाट्यम, ओडिसी, तबला, हारमोनियम, हिंदुस्तानीवोकल, कठपुतलीनिर्माण, रंगोली, मधुबनीकला, मेंहदीऔरबॉलीवुड (लोकप्रिय) नृत्य।

2023 और 2024 में, रूट्स 2 रूट्स (एनजीओ) ने आईसीसीआर (भारत सरकार के विदेशमंत्रालय का स्वायत्त निकाय) के सहयोग से कथक, भरतनाट्यम, ओडिसी, कठपुतलीनिर्माण, रंगोली, औरमधुबनीकलामेंप्रायोगिक कक्षाएंसंचालितकीं।इन कक्षाओं के लिए दुनियाभरमेंमिलेउत्साहऔरप्रतिक्रिया ने इस पहलकोदिशादीहै, जोअब एक वर्षीय पाठ्यक्रममें परिणत होगईहैजिनमेंसफलशिक्षार्थियोंकोडिप्लोमाकोर्सकियाजाएगा।

प्रत्येककलाविधा के भारतीय विशेषज्ञ, जोअपनीमहारतऔरसमर्पण के लिए प्रसिद्ध हैं, इन कक्षाओं का नेतृत्वकरेंगे। ये कक्षाएंअंग्रेजीमेंसंचालितहोंगीऔर 125 विश्वभाषाओंमेंउपशीर्षक के साथप्रस्तुत की जाएंगी, ताकिअंतरराष्ट्रीय प्रतिभागीअपनीचुनीहुईभाषामेंनिर्देशोंकोआसानी से समझसकें। कक्षाएं रूट्स 2 रूट्स द्वारातैयारविशेष सॉफ़्टवेयर के माध्यम से ऑनलाइनआयोजित की जाएंगी, जिसमेंमल्टी–कैमरा शूटऔरप्रतिभागियों के साथरियल–टाइमसंवादसुनिश्चितकियाजाएगा।

समझौतेपरहस्ताक्षरकरतेहुए आईसीसीआर की कार्यक्रमनिदेशक, श्रीमती अर्चना शर्मा; रूट्स2 रूट्स के संस्थापक, श्रीराकेशगुप्ताऔर यूपीआरटीओयू के कुलसचिव, कर्नलविनय कुमारतथासमारोहमें यूपीआरटीओयू के कुलपतिप्रो. सत्यकाम, आईसीसीआरऔर रूट्स2 रूट्स के अन्य अधिकारी

इस नवाचार के प्रमुख पहलू :

- आईसीसीआररू वैश्विकस्तरपरप्रतिभागियोंकोजोड़नेऔरप्रचारितकरने के लिए अपनेभारतीय मिशनोंऔर उनके आईसीसीआरकेंद्रों का उपयोगकरेगा।
- रूट्स2 रूट्सःअत्याधुनिककैमरा, प्रोफेशनलसाउंडसिस्टमऔरइंटरएक्टिव सॉफ़्टवेयर के साथकक्षाओं का प्रबंधन, संचालनऔरदस्तावेज़ीकरणकरेगा।
- यूपीआरटीओयूःछात्रों का मूल्यांकनकरेगाऔरसफलपरीक्षार्थियोंकोडिप्लोमा / सर्टिफ़िकेटकरेगा।

इस अवसरपरअर्चना शर्मा ने कहा, 'यहपहलभारत की अनोखीसांस्कृतिकविरासत का उत्सवहैऔर इसे दुनिया के साथसाझा करने की हमारीप्रतिबद्धताकोमजबूतकरतीहै।'

यूपीआरटीओयू के कुलपतिप्रो. सत्यकाम ने भारत की समृद्ध औरविविधसांस्कृतिकपरंपराओंकोअंतरराष्ट्रीय स्तरपरप्रस्तुतकरनेमेंविश्वविद्यालय की भूमिकापरप्रसन्नताव्यक्तकी। रूट्स2 रूट्स के संस्थापक, श्रीराकेशगुप्ता ने आईसीसीआरऔर यूपीआरटीओयूको इस उल्लेखनीय पहलमें उनके अमूल्य समर्थनऔर योगदान के लिए धन्यवाददिया।

रूट्स2 रूट्स के बारेमें

रूट्स 2 रूट्सपिछलेबीसवर्षों से कला, संस्कृतिऔरविरासतको बढ़ावादेनेवालाप्रमुख एनजीओरहाहै। इसे लिम्काबुकऑफरिकॉर्ड्स ने कलाऔरसंस्कृतिमेंडिजिटलशिक्षा प्रदानकरनेवालासबसेबड़ा एनजीओ के रूपमेंमान्यतादीहै। रूट्स 2 रूट्सदेश का एकमात्र सांस्कृतिक एनजीओहैजोनेशनलस्टॉक एक्सचेंज के एसएसईप्लेटफ़ॉर्मपरसूचीबद्ध है।नोएडामेंअत्याधुनिकस्टूडियो के साथ, रूट्स 2 रूट्सदेश के 24000 से अधिकस्कूलोंऔरकॉलेजोंकोबिनाकिसी शुल्क के डिजिटलसांस्कृतिककार्यक्रमप्रदानकरताहै, जिससे 22 मिलियन से अधिकबच्चोंपरप्रभावपड़ाहै।साथही,इसकासांस्कृतिकशिक्षण 67 से अधिकदेशोंतकफैलीहुईहै।

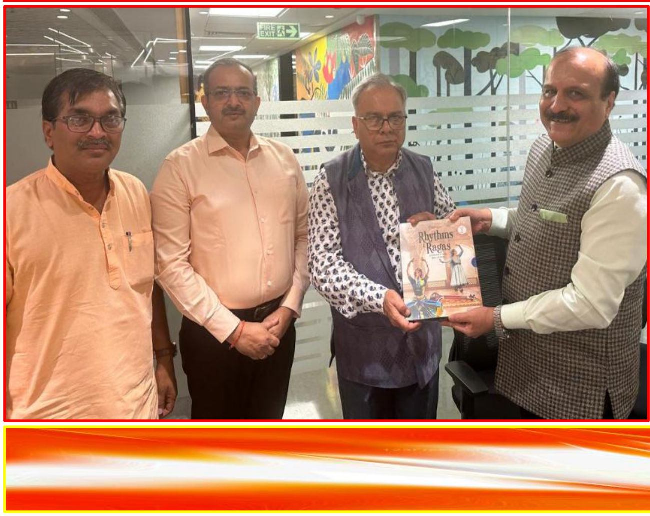

U.P. Rajarshi Tandon University Joins Forces for Global Arts Education

New Delhi: In a significant step toward promoting India's cultural heritage across borders, the Indian Council for Cultural Relations (ICCR), non-profit organisation Routes 2 Roots, and U.P. Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU) signed a landmark Tripartite Agreement today at ICCR's headquarters, Azad Bhawan.

The agreement was formally signed by Ms. Archana Sharma, Program Director at ICCR; Mr. Rakesh Gupta, Founder of Routes 2 Roots; and Colonel Vinay Kumar, Registrar of UPRTOU. The ceremony was held in the presence of Prof. Satyakam, Vice Chancellor of UPRTOU, along with other senior officials from ICCR and Routes 2 Roots.

This strategic partnership marks a major advancement in India's cultural diplomacy. It will offer live, interactive online classes in Indian Performing Arts to international students and members of the Indian diaspora. The initiative seeks to bring the vibrancy and diversity of Indian art forms to a global audience, reinforcing India's commitment to cultural exchange through innovation and education.

The online curriculum will include a wide range of traditional and contemporary art forms such as Kathak, Bharatanatyam, Odissi, Tabla, Harmonium, Hindustani Vocal, Puppet Making, Rangoli, Madhubani Art, Mehandi, and Bollywood Dance. These courses will now be offered as part of a year-long diploma program.

The initiative builds on the success of trial classes conducted by Routes 2 Roots in collaboration with ICCR in 2023 and 2024. These pilot sessions—covering Kathak, Bharatanatyam, Odissi, Puppet Making, Rangoli, and Madhubani Art—received an enthusiastic global response, paving the way for a more structured and expansive educational offering.

Classes will be taught by master artists renowned in their respective fields. The courses, delivered in English and subtitled in 125 languages, aim to overcome language barriers and ensure accessibility for learners worldwide. A specialised software platform developed by Routes 2 Roots will host the online sessions, featuring multi-camera setups and real-time interaction capabilities. Each participant's location will effectively become a virtual classroom, enabling immersive and participatory learning experiences.

As part of the collaboration, ICCR will promote the program globally through its network of Indian Missions and cultural centres. Routes 2 Roots will manage the technical and logistical aspects of course delivery, utilising high-definition cameras, professional audio systems, and interactive digital tools. UPRTOU will be responsible for evaluating students and issuing certificates jointly endorsed by all three organisations.

Speaking at the event, Archana Sharma highlighted the importance of the initiative, saying, "This initiative celebrates India's unique cultural heritage and reinforces our commitment to sharing it with the world."

Prof. Satyakam, Vice Chancellor of UPRTOU, expressed pride in the university's involvement, noting that it was a meaningful opportunity to help showcase India's rich artistic traditions on an international platform. Mr. Rakesh Gupta, Founder of Routes 2 Roots, expressed gratitude for the collaborative spirit of ICCR and UPRTOU, calling the initiative "a remarkable effort to unite the world culturally."

The program is expected to deepen cultural engagement, enhance global appreciation for Indian arts, and build bridges of understanding and harmony across nations through the universal language of culture.

PUBLIC NOTICE

That General Public is hereby notified on behalf of my clients Sh. Rakesh Chaurasia S/o Late Sh. Badri Prasad Chaurasia R/o 28 B C Block Chanakya Place Part 1, Uttam Nagar, Delhi 110059 and Smt. Prema Devi W/o Rakesh Chaurasia R/o C-28 B, Chankya Place Part 1, Gali No. 53, Uttam Nagar 110059 that my client do hereby disown and disinherit their Son Sh. Sachin Kumar Chaurasia S/o Sh. Rakesh Chaurasia R/o C-28 B, Chankya Place Part 1, Uttam Nagar 110059 for their behavior and misconduct. That they shall not inherit any of the properties of my clients nor be entitled to any share in movable/immovable properties or any other assets of my clients and they shall further not be entitled to the probate of any will of my clients. Now my clients would have no concern with